

राज्यपाल ने प्रदेश की विभूतियों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान-2016 से सम्मानित किया

लखनऊ: 28 मई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज होटल ताज में संस्था माँ फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान-2016' में श्री जयंत कृष्णा, श्रीमती सुरभि रंजन, श्रीमती उषा गांगुली, श्री देवेन्द्र सिंह चौहान, श्री महेन्द्र मोदी, श्री मनोज कुमार सिंह, श्रीमती सीमा, श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, श्री पी०एस० चौहान, डॉ० राजीव सिंह, श्रीमती कनक चौहान, डॉ० धनंजय कुमार, डॉ० बृजेश सिंह, श्री मनोज मुंतशिर, सुश्री पंखुड़ी गिडवानी, श्री अंकित तिवारी, श्री विशाल कपूर, सुश्री जोया अफरोज, श्री मुकेश बहादुर सिंह, श्री बृजेश मिश्रा, सुश्री खुशबू कंगन, श्री विलायत जाफरी, श्री हिमांशु शर्मा, श्री जिम्मी शेरगिल, श्री अनुराग कश्यप, डॉ० पीयूष दीक्षित, श्रीमती रंजीत साहनी, श्री राजीव अग्रवाल, श्री मुकेश कुमार शर्मा, डॉ० राकेश जलोटा, श्री एस०पी० बत्रा, श्री एन० गुप्ता सहित अन्य लोगों को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश निवासियों को अपने-अपने क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। संस्था माँ फाउण्डेशन के अध्यक्ष पद्मश्री सुनील जोगी द्वारा बताया गया कि उनकी संस्था निराश्रित बच्चों की शिक्षा एवं पालन-पोषण के लिए कार्य करती है। कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि "सुबह से यह उनका तीसरा कार्यक्रम है। अभी 32 लोगों का सम्मान किया है, सुबह डॉ० शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय में 67 लोगों को विभिन्न पदकों से सम्मानित किया है तथा प्रेस क्लब में स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती के कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुआ हूँ। मैं केवल 82 वर्ष का हूँ इसलिए मुझे भी पारितोषिक मिलना चाहिए।"

श्री नाईक ने कहा कि मैं अक्सर कहता रहता हूँ कि मुंबई यदि देश की आर्थिक राजधानी बनी है तो उसका कारण उत्तर भारतीयों की मेहनत है। मगर अब ऐसा नहीं है। सम्मान समारोह में आने के बाद लगता है कि इतने लोग उत्तर प्रदेश का नाम बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जरूरत सिर्फ ऐसे लोगों को पहचानने की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का विकास देश के विकास का परस्पर पूरक है इसलिए प्रदेश के विकास से ही देश का विकास होगा।

विधान सभा अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि पुरस्कार से और उत्साहित होकर काम करने का प्रोत्साहन मिलता है। हमारा देश बहुत विशाल देश है। देश को विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिए सबको मिलकर अधिक मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वालों को बधाई दी।

समारोह में डॉ० सत्या त्रिवेदी की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (192/27)



